Isa

Chapter 42

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

עָלָיו	רוּחִי	נָתַתִּי	נַפְשִׁי	רָצְתָה	בְחִירִי	בּוֹ	אֶתְמָךְ־	עַבְדִּי	הֵן	1
उस-पर	आत्मा-अपनी	दिया-मैंने	प्राण-मेरा	प्रसन्न-है	चुना-हुआ-मेरा	उसे	थामता-हूँ-मैं-	दास-मेरा	देखो	
	H7307	H5414	H5315	H7521	H0972		H8551	H5650	H2005	

יוֹצִיא׃	לַגּוֹיִם	מִשְׁפָּט
निकालेगा	को-जातियों	न्याय
H3318		H4941

"मेरे दास को देखो! मैं ही उसे सभ्भाला हूँ। मैंने उसको चुना है, मैं उससे अति प्रसन्न हूँ। मैं अपनी आत्मा उस पर रखता हूँ। वह ही सब देशों में न्याय खरेपन से लायेगा।

קוֹלוֹ׃	בַּחוּץ	יַשְׁמִיעַ	וְלֹא־	יִשָּׂא	וְלֹא	יִצְעַק	לֹא	2
आवाज़-अपनी	में-बाहर	सुनाएगा	और-नहीं-	उठाएगा	और-नहीं	चिल्लाएगा	नहीं	
	H2351	H8085	H3808	H5375	H3808	H6817	H3808	

वह गलियों में जोर से नहीं बोलेगा। वह नहीं चिल्लायेगा और न चीखेगा।

מִשְׁפָּט׃	יוֹצִיא	לֶאֱמֶת	יְכַבֶּנָּה	לֹא	כֵהֶה	וּפִשְׁתָּה	יְשַׁבֵּר	לֹא	רָצוּץ	קָנֶה	3
न्याय	निकालेगा	को-सच्चाई	बुझाएगा-उसे	नहीं	धुंधली	और-बत्ती	तोड़ेगा	नहीं	कुचला-हुआ	सरकण्डा	
H4941	H3318	H0571	H3518	H3808	H3544	H6594	H7665	H3808	H7533	H7070	

वह कोमल होगा। कुचली हुई घास का तिनका तक वह नहीं तोड़ेगा। वह टिमटिमाती हुई लौ तक को नहीं बुझायेगा। वह सच्चाई से न्याय स्थापित करेगा।

אִיִּים	וּלְתוֹרָתוֹ	מִשְׁפָּט	בָּאָרֶץ	יָשִׂים	עַד־	יָרוּץ	וְלֹא	יִכְהֶה	לֹא	4
टापू	और-शिक्षा-उसकी-की	न्याय	में-पृथ्वी	स्थापित-करेगा	जब-तक-	टूटेगा	और-नहीं	धुंधलाएगा	नहीं	
H0339	H8451	H4941	H0776		H5704	H7533	H3808		H3808	

פ	יְיַחֵלוּ׃
पूर्ण	प्रतीक्षा-करेंगे
	H3176

वह कमजोर अथवा कुचला हुआ तब तक नहीं होगा जब तक वह न्याय को दुनियाँ में न ले आये। दूर देशों के लोग उसकी शिक्षाओं पर विश्वास करेंगे।"

הָאָרֶץ	רֹקַע	וְנוֹטֵיהֶם	הַשָּׁמַיִם	בּוֹרֵא	יְהוָה	וְהָאֵל	אָמַר	כֹּה־	5
पृथ्वी-का	फैलाने-वाला	और-तानने-वाला-उन्हें	आकाशों-का	सृजनहार	यहोवा-ने	एल	कहा	इस-प्रकार-	
H0776	H7554	H5186	H8064		H3068	H0410	H0559	H3541	

בָּהּ׃	לַהֹלְכִים	וְרוּחַ	עָלֶיהָ	לָעָם	נִשְׁמָה	נֹתֵן	וְצֶאֱצָאֶיהָ
उस-में	को-चलने-वालों	और-आत्मा	उस-पर	को-लोगों	श्वास	जो-देता-है	और-उपज-उसकी
	H1980	H7307			H5397	H5414	H6631

सच्चे परमेश्वर यहोवा ने ये बातें कही हैं: (यहोवा ने आकाशों को बनाया है। यहोवा ने आकाश को धरती पर ताना है। धरती पर जो कुछ है वह भी उसी ने बनाया है। धरती पर सभी लोगों में वही प्राण फूँकता है। धरती पर जो भी लोग चल फिर रहे हैं, उन सब को वही जीवन प्रदान करता है।)

וְאֶתֶּנְךָ	וְאֶצָּרְךָ	בְּיָדֶךָ	וְאַחֲזֵק	בְּצֶדֶק	קְרָאתִיךָ	יְהוָה	אֲנִי	6
और-दूँगा-तुझे	और-सुरक्षित-करूँगा-तुझे	से-हाथ-तेरे	और-पकड़ूँगा-मैं	में-धार्मिकता	बुलाया-मैंने-तुझे	यहोवा	मैं	
H5414	H5341	H3027	H2388	H6664	H7121	H3068	H0589	

גּוֹיִם׃	לְאוֹר	עָם	לִבְרִית
जातियों-की	के-लिए-ज्योति	लोगों-के	के-लिए-वाचा
	H0216		H1285

"मैं यहोवा ने तुझ को खरे काम करने को बुलाया है। मैं तेरा हाथ थामूँगा और तेरी रक्षा करुँगा। तू एक चिन्ह यह प्रगट करने को होगा कि लोगों के साथ मेरी एक वाचा है। तू सब लोगों पर चमकने को एक प्रकाश होगा।

7

לִפְקֹחַ	को-खोलने	H6491
עֵינַיִם	आँखें	
עִוְרוֹת	अंधों-की	H5787
לְהוֹצִיא	को-निकालने	H3318
מִמַּסְגֵּר	से-बन्दीगृह	H4525
אַסִּיר	बन्दी	H0616
מִבֵּית	से-घर	
כֶּלֶא	कारागार-के	H3608
יֹשְׁבֵי	बैठने-वालों	H3427
חֹשֶׁךְ׃	अंधकार-में	H2822

> तू अन्धों की आँखों को प्रकाश देगा और वे देखने लगेंगे। ऐसे बहुत से लोग जो बन्दीगृह में पड़े हैं, तू उन लोगों को मुक्त करेगा। तू बहुत से लोगों को जो अन्धेरे में रहते हैं उन्हें उस कारागार से तू बाहर छुड़ा लायेगा।”

8

אֲנִי	मैं	H0589
יְהוָה	यहोवा	H3068
הוּא	वह	H1931
שְׁמִי	नाम-मेरा	H8034
וּכְבוֹדִי	और-महिमा-अपनी	H3519
לְאַחֵר	को-दूसरे	H0312
לֹא־	नहीं-	H3808
אֶתֵּן	दूँगा-मैं	H5414
וּתְהִלָּתִי	और-स्तुति-अपनी	H8416
לַפְּסִילִים׃	को-मूर्तियों	H6456

> “मैं यहोवा हूँ! मेरा नाम यहोवा है। मैं अपनी महिमा दूसरे को नहीं दूँगा। मैं उन मूर्तियों (झूठे देवों) को वह प्रशंसा, जो मेरी है, नहीं लेने दूँगा।

9

הָרִאשֹׁנוֹת	पहली	H7223
הִנֵּה־	देखो-	H2009
בָאוּ	आ-गईं	H0935
וַחֲדָשׁוֹת	और-नई	H2319
אֲנִי	मैं	H0589
מַגִּיד	बताने-वाला	H5046
בְּטֶרֶם	पहले-कि	H2962
תִּצְמַחְנָה	अंकुरित-हों	H6779
אַשְׁמִיעַ	सुनाता-हूँ-मैं	H8085
אֶתְכֶם׃	तुम्हें	H0853
פ	पूर्ण	

> प्रारम्भ में मैंने कुछ बातें जिनको घटना था, बतायी थी और वे घट गयीं। अब तुझको वे बातें घटने से पहले ही बताऊँगा जो आगे चल कर घटेंगी।”

10

שִׁירוּ	गाओ	H7891
לַיהוָה	को-यहोवा	H3068
שִׁיר	गीत	
חָדָשׁ	नया	H2319
תְּהִלָּתוֹ	स्तुति-उसकी	H8416
מִקְצֵה	से-कोने	
הָאָרֶץ	पृथ्वी-के	H0776
יוֹרְדֵי	उतरने-वाले	H3381
הַיָּם	समुद्र-में	H3220
וּמְלֹאוֹ	और-भरपूरी-उसकी	H4393
אִיִּים	टापू	H0339
וְיֹשְׁבֵיהֶם׃	और-निवासी-उनके	H3427

> यहोवा के लिये एक नया गीत गाओ, तुम जो दूर दराज के देशों में बसे हो, तुम जो सागर पर जलयान चलाते हो, तुम समुद्र के सभी जीवों, दूरवर्ती देशों के सभी लोगों, यहोवा का यशगान करो!

11

יִשְׂאוּ	उठाएं	H5375
מִדְבָּר	जंगल	
וְעָרָיו	और-नगर-उसके	
חֲצֵרִים	बस्तियाँ	
תֵּשֵׁב	बसती-है-जहाँ	H3427
קֵדָר	केदार	H6938
יָרֹנּוּ	जयजयकार-करें	
יֹשְׁבֵי	बैठने-वाले	H3427
סֶלַע	चट्टान-पर	H5554
מֵרֹאשׁ	से-चोटी	
הָרִים	पहाड़ों-की	H2022
יִצְוָחוּ׃	पुकारें	H6681

> हे मरुभूमि एवं नगरों और केदार के गाँवों, यहोवा की प्रशंसा करो! सेला के लोगों, आनन्द के लिये गाओ! अपने पर्वतों की चोटी से गाओ।

12

יָשִׂימוּ	दें	
לַיהוָה	को-यहोवा	H3068
כָּבוֹד	महिमा	H3519
וּתְהִלָּתוֹ	और-स्तुति-उसकी	H8416
בָּאִיִּים	में-टापूओं	H0339
יַגִּידוּ׃	बताएं	H5046

> यहोवा को महिमा दो। दूर देशों के लोगों उसका यशगान करो!

13

יְהוָה	यहोवा	H3068
כַּגִּבּוֹר	जैसे-वीर	H1368
יֵצֵא	निकलेगा	H3318
כְּאִישׁ	जैसे-पुरुष	H0376
מִלְחָמוֹת	युद्धों-का	H4421
יָעִיר	जगाएगा	H5782
קִנְאָה	जलन	H7068
יָרִיעַ	ललकारेगा	H7321
אַף־	हाँ-	H0637
יַצְרִיחַ	चिल्लाएगा	H6873
עַל־	पर-	
אֹיְבָיו	शत्रुओं-अपने	H0341
יִתְגַּבָּר׃	पराक्रमी-होगा	H1396
ס	पूर्ण	

> यहोवा वीर योद्धा सा बाहर निकलेगा उस व्यक्ति सा जो युद्ध के लिये तत्पर है। वह बहुत उत्तेजित होगा। वह पुकारेगा और जोर से ललकारेगा और अपने शत्रुओं को पराजित करेगा।

14 הֶחֱשֵׁיתִי चुप-रहा-मैं H2814 | מֵעוֹלָם से-सदा H5769 | אַחֲרִישׁ चुप-रहूँगा-मैं | אֶתְאַפָּק थामूँगा-अपने-आप H0662 | כַּיּוֹלֵדָה जैसे-जनने-वाली H3205 | אֶפְעֶה हाँफूँगा-मैं H6463 | אֶשֹּׁם छोडूँगा-साँस H5395 | וְאֶשְׁאַף और-साँस-लूँगा-मैं | יָחַד׃ एक-साथ

> “बहुत समय से मैंने कुछ भी नहीं कहा है। मैंने अपने ऊपर नियंत्रण बनाये रखा है और मैं चुप रहा हूँ। किन्तु अब मैं उतने जोर से चिल्लाऊँगा जितने जोर से बच्चे को जनते हुए स्त्री चिल्लाती है! मैं बहुत तीव्र और जोर से साँस लूँगा।

15 אַחֲרִיב उजाड़ूँगा-मैं | הָרִים पहाड़ों H2022 | וּגְבָעוֹת और-टीलों H1389 | וְכָל־ और-सब- H3605 | עֶשְׂבָּם घास-उनकी H6212 | אוֹבִישׁ सुखाउंगा-मैं H3001 | וְשַׂמְתִּי और-बनाउंगा-मैं | נְהָרוֹת नदियों H5104 | לָאִיִּים को-टापूओं H0339 | וַאֲגַמִּים और-तालाबों H0098 | אוֹבִישׁ׃ सुखाउंगा-मैं H3001

> मैं पर्वतों — पहाड़ियों को नष्ट कर दूँगा। मैं जो पौधे वहाँ उगते हैं। उनको सुखा दूँगा। मैं नदियों को सूखी धरती में बदल दूँगा। मैं जल के सरोवरों को सुखा दूँगा।

16 וְהוֹלַכְתִּי और-चलाउंगा-मैं H3212 | עִוְרִים अंधों H5787 | בְּדֶרֶךְ में-मार्ग H1870 | לֹא नही H3808 | יָדָעוּ जानते-वे H3045 | בִּנְתִיבוֹת में-पगडंडियों | לֹא־ नहीं- H3808 | יָדְעוּ जानते-वे H3045 | אַדְרִיכֵם चलाउंगा-उन्हें-मैं H1869 | אָשִׂים बनाउंगा-मैं | מַחְשָׁךְ अंधेरा H4285 | לִפְנֵיהֶם उनके-आगे H6440 | לָאוֹר को-ज्योति H0216 | וּמַעֲקַשִּׁים और-टेढ़े H4625 | לְמִישׁוֹר समतल H4334 | אֵלֶּה ये H0428 | הַדְּבָרִים बातें H1697 | עֲשִׂיתִם करूँगा-मैं | וְלֹא और-नहीं H3808 | עֲזַבְתִּים׃ छोड़ूंगा-उन्हें-मैं

> फिर मैं अन्धों को ऐसी राह दिखाऊँगा जो उनको कभी नहीं दिखाई गयी। नेत्रहीन लोगों को मैं ऐसी राह दिखाऊँगा जिन पर उनका जाना कभी नहीं हुआ। अन्धेरे को मैं उनके लिये प्रकाश में बदल दूँगा। ऊँची नीची धरती को मैं समतल बनाऊँगा। मैं उन कामों को करुँगा जिनका मैंने वचन दिया है! मैं अपने लोगों को कभी नहीं त्यागूँगा।

17 נָסֹגוּ पीछे-हटेंगे H5472 | אָחוֹר पीछे H0268 | יֵבֹשׁוּ लज्जित-होंगे H0954 | בֹשֶׁת लज्जा-से H1322 | הַבֹּטְחִים जो-भरोसा-करते-हैं H0982 | בַּפָּסֶל में-मूर्ति H6459 | הָאֹמְרִים जो-कहते-हैं H0559 | לְמַסֵּכָה को-ढली-हुई-मूर्ति | אַתֶּם तुम | אֱלֹהֵינוּ׃ एलोहीम-हमारे H0430 | ס पूर्ण

> किन्तु कुछ लोगों ने मेरा अनुसरण करना छोड़ दिया। उन लोगों के पास वे मूर्तियाँ हैं जो सोने से मढ़ी हैं। उन से वे कहा करते हैं कि ‘तुम हमारे देवता हो।’ वे लोग अपने झूठे देवताओं के विश्वासी हैं। किन्तु ऐसे लोग बस निराश ही होंगे!”

18 הַחֵרְשִׁים बहरे H2795 | שְׁמָעוּ सुनो H8085 | וְהַעִוְרִים और-अंधे H5787 | הַבִּיטוּ देखो H5027 | לִרְאוֹת׃ को-देखने H7200

> “तुम बहरे लोगों को मेरी सुनना चाहिए! तुम अंधे लोगों को इधर दृष्टि डालनी चाहिए और मुझे देखना चाहिए!

19 מִי कौन H4310 | עִוֵּר अंधा H5787 | כִּי यदि-नहीं | אִם־ तो- | עַבְדִּי दास-मेरा H5650 | וְחֵרֵשׁ और-बहरा H2795 | כְּמַלְאָכִי जैसे-दूत-मेरा H4397 | אֶשְׁלָח जिसे-भेजता-हूँ-मैं H7971 | מִי कौन H4310 | עִוֵּר अंधा H5787 | כִּמְשֻׁלָּם जैसा-विश्वासपात्र | וְעִוֵּר और-अंधा H5787 | כְּעֶבֶד जैसा-दास H5650 | יְהוָה׃ यहोवा-का H3068

> कौन है उतना अन्धा जितना मेरा दास है कोई नहीं। कौन है उतना बहरा जितना मेरा दूत है जिसे को मैंने इस संसार में भेजा है कोई नहीं! यह अन्धा कौन है जिस के साथ मैंने वाचा की ये इतना अन्धा है जितना अन्धा यहोवा का दास है।

20

]ראית[	)רָאוֹת(	רַבּוֹת	וְלֹא	תִשְׁמֹר	פָּקוֹחַ	אָזְנַיִם	וְלֹא	יִשְׁמָע׃
देखना-तूने	देखा-तूने	बहुत	और-नहीं	ध्यान-दिया-तूने	खुले	कान	और-नहीं	सुनता-है
H7200	H7200		H3808	H8104	H6491	H0241	H3808	H8085

वह देखता बहुत है, किन्तु मेरी आज्ञा नहीं मानता। वह अपने कानों से साफ साफ सुन सकता है किन्तु वह मेरी सुनने से इन्कार करता है।”

21

יְהוָה	חָפֵץ	לְמַעַן	צִדְקוֹ	יַגְדִּיל	תּוֹרָה	וְיַאְדִּיר׃
यहोवा	प्रसन्न-था	के-लिए	धार्मिकता-अपनी	बड़ा-करेगा	शिक्षा	और-महिमामय-बनाएगा
H3068		H4616	H6664	H1431	H8451	H0142

यहोवा अपने सेवक के साथ सच्चा रहना चाहता है। इसलिए वह लोगों के लिए अद्भुत उपदेश देता है।

22

וְהוּא	עַם־	בָּזוּז	וְשָׁסוּי	הָפֵחַ	בַּחוּרִים	כֻּלָּם	וּבְבָתֵּי	כְלָאִים	הָחְבָּאוּ
पर-वह	लोग-	लूटे-हुए	और-शिकार-किए-हुए	फंसाए-गए	में-गुफाओं	सब	और-घरों-में	कारागारों-के	छिपाए-गए
H1931		H0962	H8154	H6351	H2352	H3605		H3608	H2244

הָיוּ	לָבַז	וְאֵין	מַצִּיל	מְשִׁסָּה	וְאֵין־	אֹמֵר	הָשַׁב׃
हो-गए	को-लूटने	और-नहीं-है	छुड़ाने-वाला	शिकार-के-लिए	और-नहीं-है-	कहने-वाला	लौटा
H1961	H0957	H0369	H5337	H4933	H0369	H0559	H7725

किन्तु दूसरे लोगों की ओर देखो। दूसरे लोगों ने उनको हरा दिया और जो कुछ उनका था,छीन लिया। काल कोठरियों में वे सब फँसे हैं, कारागरों के भीतर वे बन्दी हैं। लोगों ने उनसे उनका धन छीन लिया है और कोई व्यक्ति ऐसा नहीं जो उनको बचा ले। दूसरे लोगों ने उनका धन छीन लिया और कोई व्यक्ति ऐसा नहीं जो कहे “इसको वापस करो!”

23

מִי	בָכֶם	יַאֲזִין	זֹאת	יַקְשִׁב	וְיִשְׁמַע	לְאָחוֹר׃
कौन	तुम-में	कान-देगा	इसे	ध्यान-देगा	और-सुनेगा	को-भविष्यत
H4310		H0238	H2063	H7181	H8085	H0268

तुममें से क्या कोई भी इसे सुनता है क्या तुममें से किसी को भी इस बात की परवाह है और क्या कोई सुनता है कि भविष्य में तुम्हारे साथ क्या होनेवाला है

24

מִי־	נָתַן	]למשוסה[	)לִמְשִׁסָּה(	יַעֲקֹב	וְיִשְׂרָאֵל	לְבֹזְזִים	הֲלוֹא	יְהוָה
किसने-	दिया	शिकार-के-लिए	शिकार-के-लिए	याकोव	और-यिस्राएल	को-लूटने-वालों	क्या-नहीं	यहोवा-ने
H4310	H5414	H4933	H4933	H3290	H3478	H0962	H3808	H3068

זוּ	חָטָאנוּ	לוֹ	וְלֹא־	אָבוּ	בִדְרָכָיו	הָלוֹךְ	וְלֹא	שָׁמְעוּ	בְּתוֹרָתוֹ׃
जिसके-विरुद्ध	पाप-किया-हमने	उसके	और-नहीं-	चाहा	में-मार्गों-उसके	चलना	और-नहीं	सुना-उन्होंने	शिक्षा-उसकी
H2098	H2398		H3808	H0014	H1870	H1980	H3808	H8085	H8451

याकूब और इस्राएल की सम्पत्ति लोगों को किसने लेने दी यहोवा ने ही उन्हें ऐसा करने दिया! हमने यहोवा के विरुद्ध पाप किया था। सो यहोवा ने लोगों को हमारी सम्पत्ति छीनने दी। इस्राएल के लोग उस ढंग से जीना नहीं चाहते थे जिस ढंग से यहोवा चाहता था। इस्राएल के लोगों ने उसकी शिक्षा पर कान नहीं दिया।

25

וַיִּשְׁפֹּךְ	עָלָיו	חֵמָה	אַפּוֹ	וֶעֱזוּז	מִלְחָמָה	וַתְּלַהֲטֵהוּ	מִסָּבִיב	וְלֹא
और-उंडेला	उस-पर	जलजलाहट	क्रोध-अपना	और-शक्ति	युद्ध-की	और-जलाई-उसे	चारों-ओर-से	और-नहीं
H8210		H2534	H0639	H5807	H4421	H3857	H5439	H3808

יָדָע	וַתִּבְעַר־	בּוֹ	וְלֹא־	יָשִׂים	עַל־	לֵב׃	פ
जाना	और-जली-	उस-में	और-नहीं-	रखा	पर-	हृदय	पूर्ण
H3045			H3808				

सो यहोवा उन पर क्रोधित हो गया। यहोवा ने उनके विरुद्ध भयानक लड़ाईयाँ भड़कवा दीं। यह ऐसे हुआ जैसे इस्राएल के लोग आग में जल रहे हों और वे जान ही न पाये हों कि क्या हो रहा है। यह ऐसा था जैसे वे जल रहे हों। किन्तु उन्होंने जो वस्तुएँ घट रही थीं, उन्हें समझने का जतन ही नहीं किया।